भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर(2024-25)

कक्षा-दसवीं	विभाग: हिंदी	Date – 05.11.24
प्रश्न बैंक	टोपी शुक्ला-राही मासूम रज़ा	Note: Pl. file in portfolio

नाम: _____अनुभाग: _____अनुक्रमांक: _____दिनांक: _____

प्रश्न-1 – इफ़्फ़न टोपी शुक्ला की कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा किस तरह से है?

उत्तर - इफ़्फ़न टोपी का पहला दोस्त था। दोनों एक दूसरे के बिना अधूरे थे। दोनों एक दूसरे से कोई बात नहीं छुपाते थे। टोपी का इफ़्फ़न की दादी से भी बहुत गहरा नाता था क्योंकि जो प्यार और अपनापन टोपी को उसके घर में नहीं मिला वह इफ़्फ़न और इफ़्फ़न की दादी से मिला। इसलिए कहा जा सकता है कि इफ़्फ़न टोपी शुक्ला की कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

प्रश्न 2 – इफ़्फ़न की दादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थीं?

उत्तर -इफ़्फ़न की दादी जमींदार की बेटी थी। दूध-घी खाती हुई बड़ी हुई थी परन्तु लखनऊ आ कर वह उस दही के लिए तरस गई थी। जब भी वह अपने मायके जाती तो जितना उसका मन होता, जी भर के खा लेती क्योंकि लखनऊ वापिस आते ही उन्हें फिर मौलविन बन जाना पड़ता। यही कारण था कि इफ़्फ़न की दादी अपने पीहर जाना चाहती थीं।

प्रश्न-3 – दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाई?

उत्तर - दादी की शादी एक मौलवी परिवार में हुई थी और मौलवियों के घर में शादी-ब्याह के अवसर पर कोई गाना-बजाना नहीं होता। इसी वजह से दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी नहीं कर पाई।

प्रश्न 4 – 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर - टोपी शुक्ला के घरवाले आधुनिक होने के साथ-साथ कट्टर हिंदू भी थे। 'अम्मी' शब्द मुसलमानों के घर में इस्तेमाल होता है किंतु जब टोपी शुक्ला के मुख से "अम्मी" शब्द सुना गया तब घरवालों के होश उड़ गए। उनकी परंपराओं की दीवार डोलने लगी। उनका धर्म संकट में पड़ गया। सभी की आँखें टोपी के चेहरे पर जम गईं कि उनकी संस्कृति के विपरीत यह शब्द घर में कैसे आ गया। जब टोपी ने बताया कि यह उसने अपने दोस्त इफ़्फ़न के घर से सीखा है तो टोपी की दादी सुभद्रादेवी तो उसी वक्त खाने की मेज़ से उठ गई और टोपी की माँ रामदुलारी ने टोपी को बहुत मारा।

प्रश्न 5 – दस अक्तूबर सन पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्त्व रखता है?

उत्तर - दस अक्तूबर सन पैंतालीस का ऐसे तो कोई महत्त्व नहीं है परन्तु टोपी के जीवन के इतिहास में इस तारीख का बहुत अधिक महत्त्व है, क्योंकि इस तारीख को इफ़्फ़न के पिता बदली पर

मुरादाबाद चले गए। इफ़्फ़न की दादी के मरने के थोड़े दिनों बाद ही इफ़्फ़न के पिता की बदली हुई थी। टोपी दादी के मरने के बाद तो अपने आप को अकेला महसूस कर ही रहा था और अब इफ़्फ़न के चले जाने पर वह और भी अकेला हो गया था। इसीलिए टोपी ने दस अक्तूबर सन पैंतालीस को कसम खाई कि अब वह किसी भी ऐसे लड़के से कभी भी दोस्ती नहीं करेगा जिसके पिता कोई ऐसी नौकरी करते हो जिसमें बदली होती रहती है।

प्रश्न 6 – टोपी ने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात क्यों कही?

उत्तर - टोपी की दादी का स्वभाव अच्छा न था। वह हमेशा टोपी को डाँटती -फटकारती थीं व कभी भी उससे प्यार से बात नहीं करती थीं। टोपी की दादी परंपराओं से बँधे होने के कारण कट्टर हिंदू थीं। वे टोपी को इफ्फ़न के घर जाने से रोकती थीं। दूसरी ओर इफ्फ़न की दादी बहुत नरम स्वभाव की थीं जो बच्चों से प्रेमपूर्वक व्यवहार करती थी ।वह टोपी से भी बहुत प्यार करती थी । उनकी बोली भी टोपी को अच्छी लगती थी और टोपी की माँ की बोली भी वही थी। इसी कारण टोपी इफ्फन से अपनी दादी बदलने की बात करता है।

प्रश्न 7 – पूरे घर में इफ़्फ़न को अपनी दादी से ही विशेष स्नेह क्यों था?

उत्तर - इफ़्फ़न को अपनी दादी से बहुत ज्यादा प्यार था। प्यार तो उसे अपने अब्बू, अम्मी, बड़ी बहन और छोटी बहन नुज़हत से भी था परन्तु दादी से वह सबसे ज्यादा प्यार किया करता था। अम्मी तो कभी-कभार इफ़्फ़न को डाँट देती थी और कभी-कभी तो मार भी दिया करती थी। बड़ी बहन भी अम्मी की ही तरह कभी-कभी डाँटती और मारती थी। अब्बू भी कभी-कभार घर को न्यायालय समझकर अपना फैसला सुनाने लगते थे। नुजहत को जब भी मौका मिलता वह उसकी कापियों पर तस्वीरें बनाने लगती थी। बस एक दादी ही थी जिन्होंने कभी भी किसी बात पर उसका दिल नहीं दुखाया था। वह रात को उसे तरह-तरह की कहानियाँ भी सुनाया करती थी। यही कारण था कि पूरे घर में इफ़्फ़न को अपनी दादी से ही विशेष स्नेह था।

प्रश्न-8 – इफ़्फ़न की दादी के देहांत के बाद टोपी को उसका घर खाली-सा क्यों लगा?

उत्तर - इफ़्फ़न की दादी स्नेहमयी थीं। वह टोपी को बहुत दुलार करती थीं। टोपी को भी स्नेह व अपनत्व की जरूरत थी। टोपी जब भी इफ्फन के घर जाता था, वह अधिकतर उसकी दादी के पास बैठने की कोशिश करता था क्योंकि उस घर में वही उसे सबसे अच्छी लगती थीं। दादी के देहांत के बाद टोपी के लिए वहाँ कोई न था। टोपी को वह घर खाली लगने लगा क्योंकि इफ्फ़न के घर का केवल एक आकर्षण था जो टोपी के लिए खत्म हो चुका था। इसी कारण टोपी को इफ्फन की दादी के देहांत के बाद उसका घर खाली-खाली-सा लगने लगा।

प्रश्न 9 – टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग मज़हब और जाति के थे पर एक अनजान अटूट रिश्ते से बँधे थे। इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए।

उत्तर - टोपी हिन्दू धर्म का था और इफ़्फ़न की दादी मुस्लिम थी। परन्तु टोपी और दादी का रिश्ता इतना अधिक गहरा था। टोपी को इफ़्फ़न के घर जाने से मना किया गया परन्तु टोपी दादी से मिलने, उनकी कहानियाँ सुनने और उनकी मीठी पूरबी बोली सुनने रोज इफ़्फ़न के घर जाता था। उसे दादी का हर एक शब्द अमावट या तिलवा की तरह लगता था। दोनों एक दूसरे को खूब समझते थे। प्यार का बंधन किसी जाति और धर्म को नहीं मानता । दादी और टोपी को एक दूसरे के साथ अपनेपन का का अहसास होता था । इस प्रकार टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग मज़हब और जाति के थे पर एक अनजान अटूट रिश्ते से बँधे थे।

प्रश्न 10 – टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया। बताइए -

(क) ज़हीन होने के बावजूद भी कक्षा में दो बार फ़ेल होने के क्या कारण थे?

उत्तर - वह पढ़ाई में बहुत तेज़ था परन्तु उसे कोई पढ़ने ही नहीं देता था। जब भी टोपी पढ़ाई करने बैठता, तो कभी उसके बड़े भाई मुन्नी बाबू को कोई काम याद आ जाता या उसकी माँ को कोई ऐसी चीज़ मँगवानी पड़ जाती जो नौकरों से नहीं मँगवाई जा सकती थी। अगर ये सारी चीज़े न होती तो कभी उसका छोटा भाई भैरव उसकी कापियों के पन्नों को फाड़ कर उनके हवाई जहाज़ बना कर उड़ाने लग जाता। इसलिए वह पहले साल फ़ेल हो गया । दूसरे साल उसे टाइफ़ाइड हो गया था। जिसके कारण वह पढ़ाई नहीं कर पाया और दूसरे साल भी फेल हो गया।

(ख) एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

उत्तर - पहली बार एक कक्षा में छोटे बच्चों के साथ बैठना पड़ा । दूसरे साल सातवीं के बच्चों के साथ बैठना पड़ा था । इसलिए उसका कोई दोस्त नहीं बन पाया था । मास्टरों ने उसकी ओर ध्यान देना बिलकुल ही छोड़ दिया था, कोई सवाल किया जाता और जवाब देने के लिए जब टोपी भी हाथ उठाता, तो कोई मास्टर उससे जवाब नहीं पूछता था। वे बच्चों को ना पढ़ने के कारण फेल होने के उदाहरण टोपी का नाम लेकर देते थे, उसका मज़ाक उड़ाते थे । वहीद जो कक्षा का सबसे तेज़ लड़का था, उसने टोपी से कहा कि उसे तो आठवीं कक्षा वालों से दोस्ती करनी चाहिए क्योंकि अगले साल भी टोपी को तो आठवीं वालों के साथ ही रहना है। इस तरह सभी उसे भावनात्मक रूप से आहत करते थे । फिर अंत में इन चुनौतियों को स्वीकार कर उसने सफलता प्राप्त की।

(ग) टोपी की भावनात्मक परेशानियों को मद्देनज़र रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाइए।

उत्तर - बच्चे फेल होने पर भावनात्मक रूप से आहत होते हैं और उनका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है । वे शर्म महसूस करते हैं । इसके लिए विद्यार्थी के पुस्तकीय ज्ञान को ही न परखा जाए बल्कि उसके अनुभव व अन्य कार्य-कुशलता को भी देखकर उसे प्रोत्साहित किया जाए । किसी भी छात्र का वार्षिक आकलन करते समय उसके पिछले वर्षों के परिणामों पर भी ध्यान देना चाहिए । उपचारात्मक शिक्षा, वस्तुनिष्ठ प्रश्नावली व वैकल्पिक शिक्षा के साथ शिक्षकों का समानुभूति भरा व्यवहार भी आवश्यक है । अध्यापको को चाहिए कि वे कमज़ोर बच्चों पर भी उतना ही ध्यान दें, जितना दूसरे बच्चों पर देते हैं ।

प्रश्न 11 – इफ़्फ़न की दादी के मायके का घर कस्टोडियन में क्यों चला गया?

उत्तर - कस्टोडियन अर्थात सरकारी कब्ज़ा। इफ़्फ़न की दादी के मायके वाले जब कराची में रहने चले गए तो उनके पुराने घर की देखभाल के लिए कोई नहीं रह गया था। उनका उस घर पर कोई मालिकाना हक़ भी नहीं रहा था। इसी कारण इफ़्फ़न की दादी के मायके का घर कस्टोडियन में चला गया।

****